लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम...The Tribune...
दिनांक 14 : 10 : 2019 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 7-8

HAU INKS PACT WITH NRDC

Hisar: Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University signed a Memorandum of Agreement (MoA) with National Research Development Corporation (NRDC), Department of Scientific and Industrial Research, Ministry of Science and Technology, New Delhi. The main objective of this MoA is to promote the technology developed by Haryana Agricultural University and the technologies that have been patented or will get a patent in the future for licensing and commercialisation. VC Prof KP Singh said that this agreement is valid for 10 years and this agreement will help HAU in a big way to speed up the process of patent, product and technical development and to make new discoveries.

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर
दिनांक 12.10.2019 पृष्ठ सं 3 कॉलम 1-5

पहल • एचएयू ने एनआरडीसी के साथ एमओयू पर किए हस्ताक्षर, समझौता 10 वर्षों के लिए होगा वैध

एचएयू की पेटेंट, उत्पाद व तकनीकी विकास को तेज करने और नई खोज को सही बाजार तक पहुंचाने में मिलेगी मदद

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू ने राष्ट्रीय अनुसंधान विकास निगम, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस एमओए का मुख्य उद्देश्य हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित तकनीक तथा जिन प्रौद्योगिकियों का पेटेंट प्राप्त किया गया है या भविष्य में कोई पेटेंट प्राप्त होगा, कॉपीराइट, डिजाइन आदि को एनआरडीसी उन्हें लाइसेंसिंग और व्यवसायीकरण के लिए बढ़ावा देगा।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह की उपस्थिति में राष्ट्रीय अनुसंधान विकास निगम के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डॉ. एच पुरुषोत्तम और विश्वविद्यालय की तरफ से मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. एमएस सिद्धपुरिया ने हस्ताक्षर किए। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि यह समझौता 10 वर्षों के लिए वैध है और इस समझौते के अनुसार यह समझौता हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की पेटेंट, उत्पाद व तकनीकी विकास की प्रक्रिया को तेज करने और नई खोजों को सही बाजार तक पहुंचाने में बड़े पैमाने पर मदद करेगा। यह हमें औद्योगिक जरूरतों को पहचानने और समझने और हमारे उत्पादों के लिए संभावित खरीदार से संपर्क करने में मदद करेगा। इस एमओए से विश्वविद्यालय उचित तरीके से अपनी पेटेंट तकनीकों का व्यवसायीकरण कर सकेगा। यह सही उद्योग के साथ बातचीत करने और उनके साथ सहयोग करने में भी सहायता प्रदान करेगा। उल्लेखनीय है कि एनआरडीसी द्वारा जिन कंपनियों को लाइसेंस दिया जाएगा उन कंपनियों को ज्ञापन से संबंधित तकनीक या प्रोद्योगिकी से संबंधित विषय वस्तु व प्रतिपादन का प्रशिक्षण संबंधित विभाग के वैज्ञानिकों द्वारा दिया जाएगा। इसके अलावा संबंधित लिखित दस्तावेज भी प्रदान किए जाएंगे।

समय-समय पर आवश्यकता अनुसार जरूरी जानकारी कंपनियों को विश्वविद्यालय प्रदान करता रहेगा। इस अवसर पर एनआरडीसी के वरिष्ठ सलाहकार ए. प्रधान, प्रबंधक व्यवसाय विकास राजेंद्र बी. बॉन्डने, और विश्वविद्यालय के ओएसडी डॉ. एमके गर्ग, कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज, अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत, विस्तार शिक्षा निदेशक, डॉ. आरएस हुड्डा, स्नातकोत्तर शिक्षा अध्ययन की अधिष्ठाता डॉ. आशा क्वात्रा, कृषि इंजीनियरिंग कालेज के अधिष्ठाता डॉ. आके झोरड़, छात्र कल्याण निदेशक डॉ. डीएस दहिया, गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा मौजूद रहे।

एमओयू के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी.सिंह व अन्य।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम: अमर उजाला
दिनांक: 12.10.2019 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 1-3

एनआरडीसी से समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने शुक्रवार को राष्ट्रीय अनुसंधान विकास निगम, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओए) पर हस्ताक्षर किए। इस एमओए का मुख्य उद्देश्य हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित तकनीक तथा जिन प्रौद्योगिकियों का पेटेंट प्राप्त किया गया है या भविष्य में कोई पेटेंट प्राप्त होगा, कॉपीराइट, डिजाइन आदि को एनआरडीसी उन्हें लाइसेंसिंग और व्यवसायीकरण के लिए बढ़ावा देगा।

उद्देश्य : हकृवि की ओर से विकसित तकनीक और व्यवसायीकरण को बढ़ावा देना

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह की उपस्थिति में राष्ट्रीय अनुसंधान विकास निगम के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डॉ. एच पुरुषोत्तम और विश्वविद्यालय की तरफ से मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. एमएस सिद्धपुरिया ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि यह समझौता 10 वर्षों के लिए वैध है और इस समझौते के अनुसार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की पेटेंट, उत्पाद व तकनीकी विकास की प्रक्रिया को तेज करने और नई खोजों को सही बाजार तक पहुंचाने में बड़े पैमाने पर मदद करेगा। यह हमें औद्योगिक जरूरतों को पहचानने और समझने तथा हमारे उत्पादों के लिए संभावित खरीदार से संपर्क करने में मदद करेगा।

एमओयू के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह व अन्य। - अमर उजाला

ये रहे कार्यक्रम में मौजूद

इस अवसर पर एनआरडीसी के वरिष्ठ सलाहकार ए प्रधान, प्रबंधक व्यवसाय विकास राजेंद्र बी बॉन्डने, विश्वविद्यालय के ओएसडी डॉ. एमके गर्ग, कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज, अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा, स्नातकोत्तर शिक्षा अध्ययन की अधिष्ठाता डॉ. आशा क्वात्रा, कृषि इंजीनियरिंग कालेज के अधिष्ठाता डॉ. आरके झोरड़, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता, डॉ. राजवीर सिंह, संपदा अधिकारी भूपेंद्र सिंह, वित्त नियंत्रक डॉ. अतुल ढींगड़ा, लाइब्रेरियन डॉ. बलवान सिंह, डॉ. मंजु दहिया, डॉ. जयंती टोकस व अन्य अधिकारी और वैज्ञानिक उपस्थित थे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण
दिनांक 12.10.2019 पृष्ठ सं 12 कॉलम 1-5

एचएयू की तकनीकों का लाभ उठा सकेंगे देशवासी

तकनीकों को कॉमर्शियल करने के लिए नेशनल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन से किया करार

जागरण संवाददाता, हिसार : हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों और छात्र अभी तक किसानों की मदद के लिए रिसर्च कर तकनीकें और पेटेंट तैयार कर रहे थे, मगर यह तकनीकें किताबों तक ही सीमित न रह जाएं, इसके लिए एचएयू ने एक बड़ा कदम उठाया है। एचएयू ने भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के नेशनल रिसर्च डिवेलपमेंट कॉर्पोरेशन यानी एनआरडीसी के साथ करार किया है। जिसके तहत विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की गई तकनीकों और पेटेंटों को कॉमर्शियल प्रयोग देशभर में किया जाएगा। इन तकनीकों को कॉमर्शियल करने का काम नेशनल डिवेलपमेंट कॉर्पोरेशन करेगा।

ऐसा होने के बाद विश्वविद्यालय की तकनीक सिर्फ हरियाणा ही नहीं बल्कि देशभर के लोगों के प्रयोग में आ सकेगी। इंडस्ट्रीज से जुड़े लोग भी इसका प्रयोग कर सकते हैं। करार पर कुलपति प्रो. केपी सिंह और एनआरडीसी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डा. एच पुरुषोत्तम, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. एमएस सिद्धपुरिया ने हस्ताक्षर किए। इस दौरान ओएसडी डॉ. एम.के. गर्ग, कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत आदि डीन डायरेक्टर उपस्थित रहे।

एमओयू के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह व अन्य।

विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों को मिलेगी रॉयल्टी

तकनीक और पेटेंट का जो संस्थान प्रयोग करेंगे वह तकनीक को डिवेलप करने वाले वैज्ञानिकों को रॉयल्टी भी देंगे। एचएयू को इन मशीनों आदि के बाहर जाने से आय भी होगी। राष्ट्रीय ही नहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इन तकनीकों की मदद से कोई भी इंडस्ट्री अपना काम आसान कर सकेगी। एनआरडीसी भविष्य में कोई पेटेंट, कॉपीराइट, डिजाइन आदि को एनआरडीसी उन्हें लाइसेंसिंग और व्यवसायीकरण के लिए बढ़ावा देगा।

10 वर्षों तक करार के आधार पर दोनों संस्थान करेंगे काम

कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने बताया कि यह समझौता 10 वर्ष के लिए है। इसकी मदद से विवि के पेटेंट, उत्पाद व तकनीकों को सही बाजार तक पहुंचाने में बड़े पैमाने पर मदद मिलेगी। यह हमें औद्योगिक जरूरतों को पहचानने और समझने और हमारे उत्पादों के लिए संभावित खरीदार से संपर्क करने में मदद करेगा।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम पंजाब केसरी
दिनांक 12.10.2019 पृष्ठ सं 1 कॉलम 4-8

उपलब्धि **पेटैंट प्राप्ति, कॉपीराइट, डिजाइन आदि को लाइसैंसिंग और व्यवसायीकरण के लिए मिलेगा बढ़ावा**

हकृवि ने एन.आर.डी.सी. से समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर

हिसार, 11 अक्तूबर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय अनुसंधान विकास निगम, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली के साथ एक समझौता ज्ञापन (एम.ओ.ए.) पर हस्ताक्षर किए।

इस एम.ओ.ए. का मुख्य उद्देश्य हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित तकनीक तथा जिन प्रौद्योगिकियों का पेटैंट प्राप्त किया गया है या भविष्य में कोई पेटैंट प्राप्त होगा, कॉपीराइट, डिजाइन आदि को एन.आर.डी.सी. उन्हें लाइसैंसिंग और व्यवसायीकरण के लिए बढ़ावा देगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी.सिंह की उपस्थिति में राष्ट्रीय अनुसंधान विकास निगम के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डा. एच. पुरुषोत्तम और विश्वविद्यालय की तरफ से मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. एम.एस. सिद्धपुरिया ने

एम.ओ.यू. के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी.सिंह व अन्य।

हस्ताक्षर किए। कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने बताया कि यह समझौता 10 वर्षों के लिए वैध है और इस समझौते के अनुसार यह समझौता हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की पेटैंट, उत्पाद व तकनीकी विकास की प्रक्रिया को तेज करने और नई खोजों को सही बाजार तक पहुंचाने में बड़े पैमाने पर मदद करेगा। यह हमें औद्योगिक जरूरतों को पहचानने और समझने और हमारे उत्पादों के लिए संभावित खरीदार से संपर्क करने में मदद करेगा। इस एम.ओ.ए. से विश्वविद्यालय उचित तरीके से अपनी पेटैंट तकनीकों का व्यवसायीकरण कर सकेगा। यह सही उद्योग के साथ बातचीत करने और उनके साथ सहयोग करने में भी सहायता प्रदान करेगा। उल्लेखनीय है कि एन.आर.डी.सी. द्वारा जिन कंपनियों को लाइसैंस दिया जाएगा उन कंपनियों को ज्ञापन से संबंधित तकनीक या प्रौद्योगिकी से संबंधित विषय वस्तु व प्रतिपादन का प्रशिक्षण संबंधित विभाग के वैज्ञानिकों द्वारा दिया जाएगा। इसके अलावा संबंधित लिखित दस्तावेज भी प्रदान किए जाएंगे। समय-समय पर आवश्यकता अनुसार जरूरी जानकारी कंपनियों को विश्वविद्यालय प्रदान करता रहेगा।

इस अवसर पर एन.आर.डी.सी. के वरिष्ठ सलाहकार, ए. प्रधान, प्रबंधक, व्यवसाय विकास राजेंद्र बी. बॉन्डने और विश्वविद्यालय के ओ.एस.डी. डा. एम.के. गर्ग, कुलसचिव डा. बी.आर. कंबोज, अनुसंधान निदेशक डा. एस.के. सहरावत, विस्तार शिक्षा निदेशक, डा. आर.एस. हुड्डा, स्नातकोत्तर शिक्षा अध्ययन की अधिष्ठाता डा. आशा क्वात्रा, कृषि इंजीनियरिंग कालेज के अधिष्ठाता डा. आर.के. झोरड़, छात्र कल्याण निदेशक डा. डी.एस. दहिया, गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डा. बिमला ढांडा, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता, डा. राजवीर सिंह, संपदा अधिकारी भूपेन्द्र सिंह, वित्त नियंत्रक, डा. अतुल ढींगड़ा, लाइब्रेरियन, डा. बलवान सिंह, डा. मंजू दहिया, डा. जयंती टोकस व अन्य अधिकारी और वैज्ञानिक उपस्थित थे।

लोक संपर्क कार्यालय

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम..........सिटी पल्स..........

दिनांक..........11-10-2019.......... पृष्ठ सं..........3.......... कॉलम..........1-6..........

हकृवि ने एनआरडीसी से समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर

एमओए से विश्वविद्यालय उचित तरीके से अपनी पेटेंट तकनीकों का कर सकेगा व्यवसायीकरण

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय अनुसंधान विकास निगम, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओए) पर हस्ताक्षर किए। इस एमओए का मुख्य उद्देश्य हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित तकनीक तथा जिन प्रौद्योगिकियों का पेटेंट प्राप्त किया गया है या भविष्य में कोई पेटेंट प्राप्त होगा, कॉपीराइट, डिजाइन आदि को एनआरडीसी उन्हें लाइसेंसिंग और व्यवसायीकरण के लिए बढ़ावा देगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह की उपस्थिति में राष्ट्रीय अनुसंधान विकास निगम के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डॉ. एन. पुरुषोत्तम और विश्वविद्यालय की तरफ से मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया ने हस्ताक्षर किए।

कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने बताया कि यह समझौता 10 वर्षों के लिए वैध है और इस समझौते के अनुसार यह समझौता हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की पेटेंट, उत्पाद व तकनीकी विकास की प्रक्रिया को तेज करने और नई खोजों को सही बाजार तक पहुंचाने में बड़े पैमाने पर मदद करेगा। यह हमें औद्योगिक जरूरतों को पहचानने और समझने और हमारे उत्पादों के लिए संभावित खरीदार से संपर्क करने में मदद करेगा। इस एमओए से विश्वविद्यालय उचित तरीके से अपनी पेटेंट तकनीकों का व्यवसायीकरण कर सकेगा। यह सही उद्योग के साथ बातचीत करने और उनके साथ सहयोग करने में भी सहायता प्रदान करेगा।

इस अवसर पर एनआरडीसी के वरिष्ठ सलाहकार, श्री ए. प्रधान, प्रबंधक, व्यवसाय विकास श्री राजेंद्र बी. खोन्डने, और विश्वविद्यालय के ओएसडी डॉ. एम.के. गर्ग, कुलसचिव डॉ. बी.आर. कम्बोज, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, विस्तार शिक्षा निदेशक, डॉ. आर.एस. हुड्डा, स्नातकोत्तर शिक्षा अध्ययन की अधिष्ठाता डॉ. आशा क्वात्रा, कृषि इंजीनियरिंग कालेज के अधिष्ठाता डॉ. आर.के. झोरड़, छात्र कल्याण निदेशक डॉ. डी.एस. दहिया, गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता, डॉ. राजवीर सिंह, संपदा अधिकारी श्री भूपेन्द्र सिंह, वित नियंत्रक, डॉ. अतुल ढींगड़ा, लाइब्रेरियन, डॉ. बलवान सिंह, डॉ. मंजु दहिया, डॉ. जयंती टोकस व अन्य अधिकारी और वैज्ञानिक उपस्थित थे।

हिसार। एमओयू के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह व अन्य।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम हैलो हिसार

दिनांक 11-10-2019 पृष्ठ सं 2 कॉलम 1-2

हकृवि ने एनआरडीसी से समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर

हिसार 11 अक्तूबर चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय अनुसंधान विकास निगम, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओए) पर हस्ताक्षर किए। इस एमओए का मुख्य उद्देश्य हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित तकनीक तथा जिन प्रौद्योगिकियों का पेटेंट प्राप्त किया गया है या भविष्य में कोई पेटेंट प्राप्त होगा, कॉपीराइट, डिजाइन आदि को एनआरडीसी उन्हे लाइसेंसिंग और व्यवसायीकरण के लिए बढ़ावा देगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी.सिंह की उपस्थिति में राष्ट्रीय अनुसंधान विकास निगम के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डॉ. एच. पुरुषोत्तम और विश्वविद्यालय की तरफ से मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. एम.एस.सिद्धपुरिया ने हस्ताक्षर किए।कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने बताया कि यह समझौता 10 वर्षों के लिए वैध है और इस समझौते के अनुसार यह समझौता हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की पेटेंट, उत्पाद व तकनीकी विकास की प्रक्रिया को तेज करने और नई खोजों को सही बाजार तक पहुंचाने में बड़े पैमाने पर मदद करेगा। यह हमें औद्योगिक जरूरतों को पहचानने और समझने और हमारे उत्पादों के लिए संभावित खरीदार से संपर्क करने में मदद करेगा।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम नित्य शक्ति टाइम्स

दिनांक 11-10-2019 पृष्ठ सं 8 कॉलम 1-5

कृषि क्षेत्र के विकास के लिए नई सोच व सहयोग से आगे बढ़ना जरूरी : केपी

हिसार, 11 अक्तूबर (निस)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय सभागार में दो दिवसीय कृषि अधिकारी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों तथा प्रदेश के सभी जिलों से राज्य कृषि और

कृषि महाविद्यालय सभागार में दो दिवसीय कृषि अधिकारी कार्यशाला का आयोजन

किसान कल्याण विभाग के कृषि अधिकारियों ने भाग लिया। इस कार्यशाला का शुभारंभ कुलपति प्रो. केपी सिंह ने किया। उन्होंने कृषि क्षेत्र के विकास के लिए नई सोच और सहयोग से आगे बढ़ने का आह्वान किया। प्रो. सिंह ने कहा कि कृषि को लाभकारी बनाने के लिए केवल कृषि उत्पादन पर केन्द्रित न रहकर कृषि उत्पाद को बाजार से सीधे तौर पर जोड़ने की आवश्यकता पर जोर दिया। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने इस दिशा में कदम बढ़ाया है और कृषि के विभिन्न क्षेत्रों में बहु-उद्यमियता व स्टार्ट-अप के लिए युवाओं, किसानों और उद्यमियों को मार्गदर्शन, प्रशिक्षण, प्रौद्योगिकी और आधारभूत संरचना प्रदान करने के लिए एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सैंटर स्थापित किया है। कृषि उद्यमियता को बढ़ावा देने व हरियाणा के किसानों के उत्पाद को एनसीआर से जोड़ने के लिए शीघ्र ही राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में एक कालेज ऑफ एग्रीप्रेन्योर एण्ड बिजनेस मैनेजमैंट भी शुरू किया जाएगा।

कुलपति ने उपरोक्त कृषि अधिकारी कार्यशाला में अधिकारियों की भागीदारी को बढ़ाने और इसे और ज्यादा उपयोगी बनाए जाने पर बल दिया। उन्होंने कहा केन्द्र और राज्य सरकार किसानों के कल्याण के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं लागू करती है

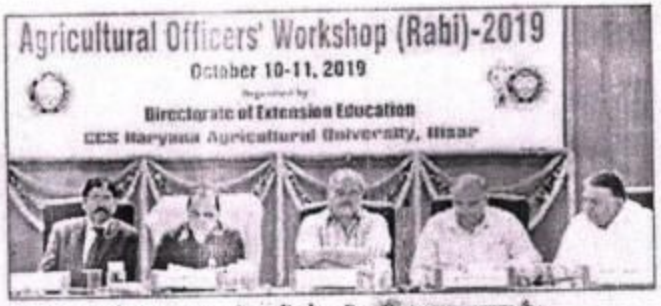

जिनका ज्यादा से ज्यादा फायदा किसानों को उठाना चाहिए। कृषि को लाभकारी बनाने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित समग्र सिफारिशें किसानों तक पहुंचाना अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसमें कृषि अधिकारी अहम भूमिका निभा सकते है। उन्होंने कहा कृषि अधिकारियों को सामान्य कामकाज के साथ-साथ स्वंय को अनुसंधान से भी जोड़े रखना चाहिए। इस दिशा में कृषि और किसान कल्याण विभाग हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथ सहयोग करने के लिए विचार कर सकता है।

इस अवसर पर अतिरिक्त कृषि निदेशक (विस्तार) डॉ. सुरेश गहलावत ने हरियाणा सरकार द्वारा चलाई जा रही कृषक हितैषी स्कीमों के बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि राज्य में कपास फसल में गुलाबी सुंडी, गेंहू में धारपतवार नाशकों के प्रति सहनशीलता तथा पीला रतुआ व करनाल बंट, अच्छी गुणवत्ता के बीज व अन्य आदान, फसल अवशेष प्रबंधन की अत्यंत आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2019-20 के लिए फसल विविधिकरण में धान की जगह मक्का बिजाई लक्ष्य के लिए अलग से प्रावधान किया गया है। उन्होंने प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना आदि स्कीमों के बारे में भी विस्तार से चर्चा की। इससे पूर्व विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा ने फसलों की पैदावार तथा किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए निदेशालय के तहत कृषि विज्ञान केन्द्रों, विस्तार शिक्षा संस्थान, नीलोखेड़ी, साइना नेहवाल कृषि प्रशिक्षण संस्थान, फार्म सूचना एवं संचार सेवा द्वारा प्रदेश में वर्ष 2018-19 में आयोजित किए गए विस्तार कार्यक्रमों की रिपोर्ट प्रस्तुत की।

इस अवसर पर सहनिदेशक (कृषि परामर्श सेवा) डॉ. एचएस सहारण ने मंच का संचालन व अतिरिक्त अनुसंधान निदेशक डॉ. नीरज कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........हरि. भूमि........
दिनांक 12. 10. 2019 पृष्ठ सं. 14 कॉलम 3-8

हकृवि में दो दिवसीय राज्यस्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला का समापन

किसानों को कृषि के विविधिकरण की जरूरत : सहरावत

- बदलते जलवायु के अनुरूप कृषि प्रौद्योगिकी विकसित करने तथा लाभकारी कृषि योजनाओं से अवगत कराने पर बल दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय राज्यस्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत की अध्यक्षता में हुई। दूसरे दिन दाल व चारा वाली फसलों, तिलहनी फसलों बारानी कृषि एवं कृषि वानिकी तथा खरीफ फसलों की समग्र सिफारिशों के बारे में चर्चा की गई तथा कई महत्वपूर्ण तकनीकी पहलुओं पर विचार विमर्श किया गया। डॉ. सहरावत ने कार्यशाला में उपस्थित कृषि अधिकारियों से आहवान किया कि किसानों को ऐसी कृषि प्रौद्योगिकी व कृषि के

कार्यशाला समापन पर मंच पर उपस्थित डॉ. एसके सहरावत व अन्य अधिकारी।

विविधिकरण की आवश्यकता है जिन्हें अपनाकर वे खेती से लाभ अर्जित कर सकें। उन्होंने बदलते जलवायु के अनुरूप कृषि प्रौद्योगिकी विकसित करने तथा किसानों को सरकार की लाभकारी कृषि योजनाओं से अवगत कराने पर भी बल दिया। उन्होंने वैज्ञानिकों से आहवान किया के किसानों की जरूरत के मुताबिक शोध कार्यो व विस्तार कार्यों की रूपरेखा तैयार की जाए तथा इनके क्रियाजन में बढ़चढ़ कर भाग ले ताकि सरकार का वर्ष 2022 तक किसानों की आय दोगुणा करने का सपना साकार हो सके।

वैज्ञानिकों व अधिकारियों के आपस के तालमेल से होगा भला

डॉ. सहरावत ने कहा कि कृषि वैज्ञानिकों व कृषि अधिकारियों के आपस के तालमेल से ही किसान का भला हो सकता है। हरियाणा एक ऐसा प्रदेश है जहां कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक व प्रदेश के कृषि अधिकारियों की कार्यशाला आयोजित की जाती है जिसमें किसान के खेत में आई समस्या को समाधान के लिए कृषि अधिकारी अपनी बात वैज्ञानिकों के पास लेकर जाते हैं तथा वैज्ञानिक इन समस्याओं के अनुरूप ही अपनी शौध कार्य प्लान करके चलते है ताकि ये समस्या दोबारा न आए व किसान की आमदनी बढ़े।

रासायनिक उर्वरकों को संतुलित मात्रा में जोर

इस अवसर पर अतिरिक्त कृषि निदेशक (विस्तार) डॉ. सुरेश गहलावत ने हरियाणा सरकार द्वारा चलाई जा रही कृषक हितैषी स्कीमों के बारे में विस्तार से बताया। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा ने फसलों से अधिक मुनाफा लेने के लिए रासायनिक उर्वरकों को संतुलित मात्रा में प्रयोग करने पर जोर दिया। इस अवसर पर डॉ. हवा सिंह सहारण ने कार्यशाला में उपस्थित सभी अधिकारियों व वैज्ञानिकों का धन्यवाद किया।

विकसित तकनीकों को लाइसेंसिंग और व्यवसायीकरण के लिए दिया जाएगा बढ़ावा

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय अनुसंधान विकास निगम, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओए) पर हस्ताक्षर किए। इस एमओए का मुख्य उद्देश्य हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित तकनीक तथा जिन प्रौद्योगिकियों का पेटेंट प्राप्त किया गया है या भविष्य में कोई पेटेंट प्राप्त होगा, कॉपीराइट, डिजाइन आदि को एनआरडीसी उन्हें लाइसेंसिंग और व्यवसायीकरण के लिए बढ़ावा देगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह की उपस्थिति में राष्ट्रीय अनुसंधान विकास निगम के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डॉ. एच. पुरुषोतम और विश्वविद्यालय की तरफ से मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. एम.एस.सिद्धपुरिया ने हस्ताक्षर किए। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि यह समझौता 10 वर्षों के लिए वैध है और इस समझौते के अनुसार यह समझौता हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की पेटेंट, उत्पाद व तकनीकी विकास की प्रक्रिया को तेज करने और नई खोजों को सही बाजार तक पहुंचाने में बड़े पैमाने पर मदद करेगा। यह हमें औद्योगिक जरूरतों को पहचानने और समझने और हमारे उत्पादों के लिए संभावित खरीदार से संपर्क करने में मदद करेगा। इस एमओए से विश्वविद्यालय उचित तरीके से अपनी पेटेंट तकनीकों का व्यवसायीकरण कर सकेगा।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम पंजाब केसरी

दिनांक 12.10.2019 पृष्ठ सं 4 कॉलम 5.7

किसानों के अनुरूप हों शोध कार्य : डा. सहरात

हिसार, 11 अक्तूबर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आरंभ हुई 2 दिवसीय राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत की अध्यक्षता में संपन्न हुई। दूसरे दिन दाल व चारा वाली फसलों, तिलहनी फसलों बारानी कृषि एवं कृषि वानिकी तथा खरीफ फसलों की समग्र सिफारिशों के बारे में चर्चा की गई तथा कई महत्वपूर्ण तकनीकी पहलुओं पर विचार विमर्श किया गया। डा. सहरावत ने कार्यशाला में उपस्थित कृषि अधिकारियों से आह्वान किया कि किसानों को ऐसी कृषि प्रौद्योगिकी व कृषि के विविधिकरण की आवश्यकता है जिन्हें अपनाकर वे खेती से लाभ अर्जित कर सकें। उन्होंने

कार्यशाला के समापन अवसर पर मंच पर उपस्थित डा. एस.के. सहरावत व अन्य अधिकारीगण।

बदलते जलवायु के अनुरूप कृषि प्रौद्योगिकी विकसित करने तथा किसानों को सरकार की लाभकारी कृषि योजनाओं से अवगत करवाने पर भी बल दिया। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया के किसानों की ज़रूरत के मुताबिक शोध कार्यों व विस्तार कार्यों की रूपरेखा तैयार की जाए। इस अवसर पर अतिरिक्त कृषि निदेशक (विस्तार) डा. सुरेश गहलावत ने कृषक हितेषी स्कीमों के बारे में विस्तार से बताया। विस्तार शिक्षा निदेशक डा. आर.एस. हुड्डा ने फसलों से अधिक मुनाफा लेने के लिए रासायनिक उर्वरकों को संतुलित मात्रा में प्रयोग करने पर जोर दिया। इस अवसर पर डॉ. हवा सिंह सहारण सहित अनेक वैज्ञानिक मौजूद थे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण
दिनांक 12.10.2019 पृष्ठ सं 17 कॉलम 4-5

कृषि में विविधिकरण अपनाएं और लाभ कमाएं किसान

एचएयू में दो दिवसीय राज्य स्तरीय कृषि अधिकारियों की कार्यशाला में किसानों को विभिन्न योजनाओं की दी गई जानकारी

जागरण संवाददाता, हिसार : हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आरंभ हुई दो दिवसीय राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला अनुसंधान निदेशक डॉ. एस. के. सहरावत की अध्यक्षता में संपन्न हुई। दूसरे दिन दाल व चारा वाली फसलों, तिलहनी फसलों बारानी कृषि एवं कृषि वानिकी तथा खरीफ फसलों की समग्र सिफारिशों के बारे में चर्चा की गई तथा कई महत्वपूर्ण तकनीकी पहलुओं पर विचार विमर्श किया गया।

डा. सहसवत ने कहा कि किसानों को ऐसी कृषि प्रौद्योगिकी व कृषि के विविधिकरण की आवश्यकता है जिन्हें अपनाकर वे खेती से लाभ अर्जित कर सकें। इस अवसर पर अतिरिक्त कृषि निदेशक (विस्तार) डा. सुरेश गहलावत ने हरियाणा सरकार द्वारा चलाई जा रही कृषक हितेषी स्कीमों के बारे में विस्तार से बताया। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा ने फसलों से अधिक मुनाफा लेने के लिए रासायनिक उर्वरकों को संतुलित मात्रा में प्रयोग करने पर जोर दिया।

कार्यशाला में मंच पर उपस्थित डा. एसके सहरावत व अन्य अधिकारीगण।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम...अमर उजाला...
दिनांक...12.10.2019... पृष्ठ सं....1... कॉलम...1-3...

कार्यशाला संपन्न | गेहूं की डब्ल्यूएच 1184 किस्म हरियाणा के लिए सर्वोत्तम, रबी व खरीफ फसलों की सिफारिशों को मंजूरी

1184 किस्म : 28.1 क्वि. प्रति एकड़ तक उपज

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में (एचएयू) में आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला शुक्रवार को अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

दूसरे दिन दाल व चारा वाली फसलों, तिलहनी फसलों बारानी कृषि एवं कृषि वानिकी और रबी-खरीफ फसलों की समग्र सिफारिशों के बारे में चर्चा की गई। गेहूं की डब्ल्यूएच 1184 किस्म की सिफारिश समय की बिजाई, अधिक उपजाऊ व सिंचित दशा के लिए वर्ष 2019 के लिए की गई है। यह किस्म हरियाणा राज्य के लिए अनुमोदित की गई है। इस किस्म की औसत पैदावार 24.5 क्विंटल प्रति एकड़ और अधिकतम उपज 28.1 क्विंटल प्रति एकड़ है।कार्यशाला के समापन पर डॉ. सहरावत ने कहा कि किसानों को ऐसी कृषि प्रौद्योगिकी व कृषि के विविधिकरण की आवश्यकता है। अतिरिक्त कृषि निदेशक (विस्तार) डॉ. सुरेश गहलावत ने हरियाणा सरकार द्वारा चलाई जा रही कृषक हितैषी स्कीमों के बारे में बताया। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा ने फसलों से अधिक मुनाफा लेने के लिए रासायनिक उर्वरकों को संतुलित मात्रा में प्रयोग करने पर जोर दिया। इस अवसर पर डॉ. हवा सिंह सहारण आदि मौजूद रहे।

इन सिफारिशों को मंजूरी

गेहूं में मिश्रित खरपतवारों की रोकथाम के लिए अवकिरा का 60 ग्राम प्रति एकड़ को दो लीटर प्रति एकड़, पेंडीमेथालिन 30 प्रतिशत ईसी के साथ 200 लीटर पानी में मिलाकर 0-3 दिन के अंदर छिड़काव करें। सरसों की आरएच 761 की सिफारिश इस वर्ष के लिए की गई है। यह राष्ट्रीय स्तर पर जोन-2 (जम्मू, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली व उत्तरी राजस्थान) की बारानी परिस्थितियों में समय पर बिजाई के लिए अनुमोदित की गई है। यह 137-143 दिनों में पक कर 10.5 से 11.5 क्विंटल प्रति एकड़ औसत पैदावार देती है। इस किस्म की फलियां लंबी और दानों का आकार मोटा है। गेहूं की डब्ल्यूएच 1184 किस्म की सिफारिश समय की बिजाई, अधिक उपजाऊ व सिंचित दशा के लिए वर्ष 2019 के लिए की गई है। यह किस्म हरियाणा राज्य के लिए अनुमोदित की गई है। यह बौनी किस्म (99 सेंटीमीटर) 144 दिन में पककर तैयार हो जाती है। इस किस्म की औसत पैदावार 24.5 क्विंटल प्रति एकड़ और अधिकतम उपज 28.1 क्विंटल प्रति एकड़ है। यह किस्म पीला व भूरा रतुआ के लिए अवरोधी है और इस किस्म में प्रोटीन की मात्रा 13.0 प्रतिशत है। धान की पराली को खेत से हटाने के लिए एक के बाद एक रोटरी स्लेशन, हैरेकर व बेलर का इस्तेमाल करें, ताकि गांठों को औद्योगिक उपयोग के लिए इस्तेमाल किया जा सके।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर
दिनांक 12:10:2019 पृष्ठ सं 3 कॉलम 7-8

बदलते जलवायु के अनुसार होनी चाहिए कृषि तकनीक: डॉ. सहरावत

एचएयू में राज्यस्तरीय कृषि अधिकारी वर्कशॉप

एचएयू में कार्यशाला के समापन अवसर पर मंच पर उपस्थित डॉ. एसके सहरावत व अन्य अधिकारीगण

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू में चल रही दो दिवसीय राज्यस्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

दूसरे दिन दाल व चारा वाली फसलों, तिलहनी फसलों बारानी कृषि एवं कृषि वानिकी तथा खरीफ फसलों की समग्र सिफारिशों के बारे में चर्चा की गई तथा कई महत्वपूर्ण तकनीकी पहलुओं पर विचार विमर्श किया गया। डॉ. सहरावत ने कार्यशाला में उपस्थित कृषि अधिकारियों से आह्वान किया कि किसानों को ऐसी कृषि प्रौद्योगिकी व कृषि के विविधिकरण की आवश्यकता है, जिन्हें अपनाकर वे खेती से लाभ अर्जित कर सकें। उन्होंने बदलते जलवायु के अनुरूप कृषि प्रौद्योगिकी विकसित करने तथा किसानों को सरकार की लाभकारी कृषि योजनाओं से अवगत कराने पर भी बल दिया।

उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया के किसानों की जरूरत के मुताबिक शोध कार्यों व विस्तार कार्यों की रूपरेखा तैयार की जाए तथा इनके क्रियाजन में बढ़-चढ़कर भाग लें ताकि सरकार का वर्ष 2022 तक किसानों की आय दोगुणा करने का सपना साकार हो सके।

उन्होंने कहा कि कृषि वैज्ञानिकों व कृषि अधिकारियों के आपस के तालमेल से ही किसान का भला हो सकता है। हरियाणा एक ऐसा प्रदेश है जहां कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक व प्रदेश के कृषि अधिकारियों की कार्यशाला आयोजित की जाती है, जिसमें किसान के खेत में आई समस्या को समाधान के लिए कृषि अधिकारी अपनी बात वैज्ञानिकों के पास लेकर जाते हैं तथा वैज्ञानिक इन समस्याओं के अनुरूप ही अपनी शोध, कार्य प्लान करके चलते है ताकि ये समस्या दोबारा न आए व किसान की आमदनी बढ़े। इस अवसर पर अतिरिक्त कृषि निदेशक (विस्तार) डॉ. सुरेश गहलावत ने हरियाणा सरकार द्वारा चलाई जा रही कृषक हितेषी स्कीमों के बारे में विस्तार से बताया।

शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा ने फसलों से अधिक मुनाफा लेने के लिए रासायनिक उर्वरकों को संतुलित मात्रा में प्रयोग करने पर जोर दिया।